ToB बालमंच

मासिक मार्च -2021 नन्हीं कलम से .... ✍

प्रवेशोत्सव, बिहार दिवस एवं होली विशेषांक

इस अंक में पढ़ें

मिट्टी के बर्तन में पानी ठंढा रहता है, क्यों ?

क्रिएटिव डिजाइनर :- त्रिपुरारि राय
म. वि. रौटी, महिषी (सहरसा)

अंक – 10

संपादिका :- रूबी कुमारी
उ. म. वि. सरौनी, बौंसी (बाँका)

नए नामांकित बच्चों का स्वागत माला पहनाकर किया गया।

सम्पादकीय

बाल कलाकारों के उत्कृष्ट क्रियाकलापों, रचनाओं, गतिविधियों को समर्पित "TOB बालमंच, का 10वां अंक प्रकाशित करते हुए हमें अपार हर्ष की अनुभूति हो रही है।

हमारे बिहार के नन्हें कलाकारों ने इस बाल पत्रिका में इतनी उत्कृष्ट कलाकारी का प्रदर्शन किया है, जिसकी प्रशंसा करने के लिए हमारे पास पर्याप्त शब्द नहीं हैं। बालमंच लगातार अपने लक्ष्य की ओर अग्रसर है।

यह बालमंच कई बाल कलाकार जिन्होंने कबाड़ से बेहतरीन जुगाड़ कर दिखाया है, उसकी प्रतिभा को भी पूरे बिहार में एक नई पहचान दिलाई है। कई बच्चे कहानीकार, कवि, मूर्तिकार तक बनते जा रहे हैं।

हमें आशा ही नहीं पूर्ण विश्वास है कि भविष्य में यह बालमंच बच्चों के अंदर छुपे विभिन्न प्रतिभाओं को देशभर में उजागर करने के लिए मील का पत्थर साबित होगा।

हमारे नन्हे-मुन्ने तथा बालमंच के उज्जवल भविष्य की कामना के साथ.....

रूबी कुमारी
(संपादिका)

बालमंच, नन्हीं कलम से...✍

सर्वाधिकार सुरक्षित, संपादिका

सम्पादक मंडल

संपादिका :-	रूबी कुमारी, उ. म. वि. सरौनी, बौंसी (बाँका)
ग्राफिक्स डिजाइनर :-	त्रिपुरारि राय, म. वि. रौटी, महिषी (सहरसा)
प्रूफ रीडर:-	विकास कुमार, म.वि.महिसरहो, महिषी (सहरसा)
संरक्षक:-	1. शिव कुमार, संस्थापक- टीचर्स ऑफ़ बिहार 2. शिवेंद्र सुमन, वेब डिजाइनर, TOB

-: स्थाई स्तम्भ :-

1.	सम्पादकीय	12 .	विद्यालयी क्रियाकलाप
2.	उदबोधन	13.	क्या आप जानते हैं ?
3.	आवरण कथा	14.	अंग्रेजी सीखें
4.	कविता	15.	ड्राइंग/पेंटिंग
5.	कहानी	16.	उभरते सितारे
6.	हँसो रे बाबू	17.	फोटो ऑफ़ द मंथ
7.	बूझो तो जानें	18.	हिंदी ज्ञान
8.	वैज्ञानिक कारण	19.	प्रमुख दिवसें
9.	कहानी बनाओ प्रतियोगिता	20.	प्रेरक प्रसंग
10.	अखबारों की नजर में हम	21.	रोचक तथ्य
11.	उभरते सितारे		

सूचना :- यदि आपमें भी है अपनी कला दिखाने की चाहत, तो आप सभी बच्चे भी हमें अपनी रचनाएँ भेजें | आप अपनी रचनाएँ हमें ईमेल balmanch.teachersofbihar@gmail.com या Whatsapp No. 6202839650 (Tripurari Roy) पर भेजें | आपकी चुनी गई उत्कृष्ट रचनाएँ, चित्रों, लेखों आदि को हम 'बालमंच' में प्रमुखता से प्रकाशित करेंगे |

उदबोधन

त्रिपुरारि राय
क्रिएटिव डिजाइनर, बालमंच

बालमंच का दसवाँ अंक आपसबों को समर्पित करते हुए हमें काफी ख़ुशी हो रही है | बच्चों मार्च का ये महीना कई मायनों में काफी महत्वपूर्ण हो गया | इसी महीने विद्यालयों में प्रवेशोत्सव का आयोजन किया गया | आपसब अपने विद्यालयों में नए दोस्तों का स्वागत किया | सम्पूर्ण बिहार के विद्यालयों में इसे उत्सव के रूप में मनाया गया |

यह माह बिहार के स्थापना का माह भी रहा है | हम सभी 22 मार्च को बिहार दिवस मनाते हैं | विद्यालयों ने भी इसे अपने-अपने तरह से मनाया |

...और अंत में वो दिन भी आ गया जिसका हम सभी को बेसब्री से इन्तजार रहता है | बताओ क्या? .....अरे भाई होली ! हाँ, बालामंच आप सबों को होली की हार्दिक बधाई देती है | शुभकामना सहित|

त्रिपुरारि राय
सहायक शिक्षक,
म.वि. रौटी, महिषी (सहरसा)
मो.- 6202839650

शुभकामना संदेश

ई-मैगजीन 'टी.ओ.बी. बालमंच' आज के शिक्षा जगत में गागर में सागर के समान है | यह एक मात्र ऐसी पत्रिका है जो सिर्फ बच्चों के लिए है | बच्चे हक़ से कह सकते हैं कि यह उनकी अपनी पत्रिका है | मैं इसके सभी अंकों को देख चुका हूँ | इसमें बच्चों की मौलिक चित्रकला, कविता, कहानी तथा अन्य विधा देखने को मिलती है | अच्छा लगता है जब बच्चों को कुछ क्रिएटिव करते देखता हूँ | मैं टीचर्स ऑफ़ बिहार टीम को कोटिशः धन्यवाद देना चाहता हूँ कि वे बालमंच द्वारा बच्चों में नए रंग भर रहे हैं | मुझे आशा ही नहीं पूर्ण विश्वास है कि यह पत्रिका ना सिर्फ बच्चे बल्कि शिक्षकों को भी कला समेकित शिक्षा द्वारा अध्ययन-अध्यापन का मार्ग प्रशस्त करती रहेगी | 'टी.ओ.बी. बालमंच' के सम्पादक मंडल के सभी सदस्यों एवं सभी बच्चों को मेरी ओर से होली की हार्दिक शुभकामनाएं |

डॉ . विनोदानंद झा
निदेशक
शोध एवं प्रशिक्षण, पटना (बिहार)

प्रेरक प्रसंग

आशा का दीपक

एक कमरे में चार दीपक जल रहे थे और वहाँ के परिवेश में एक शान्ति छाई हुई थी | शान्ति भी ऐसी कि मंद स्वर में की जाने वाली बात को भी आसानी से सुना जा सकता था |

पहले दीपक ने दुखी स्वर में कहा – "मैं शान्ति हूँ, मुझे कोई बनाए नहीं रखना चाहता है | मुझे बुझ जाना चाहिए |" और इतना कहने के पश्चात, दीपक बुझ गई |

दूसरे दीपक ने कहा – "मैं विश्वास हूँ | अधिकांश लोग मुझे लम्बे समय तक कायम नहीं रख सकते हैं| फिर मेरे जलते रहने का क्या प्रयोजन है ?" इतने में हवा का एक झोंका आया और उसकी लौ को बुझा दिया |

Tanishk Anand, Class-1st

Made by Shusant Singh, Class-3

तीसरे दीपक ने निराश भरे स्वर में कहा – “मैं ज्ञान हूँ, मुझमे अब जलने की ताकत ही नहीं बची है क्योंकि कुछ लोग मेरे महत्व को नहीं समझते, इसलिए मुझे बुझ जाना चाहिए।” निराशा की इन क्षणों में बिना एक पल की प्रतीक्षा के वह भी बुझ गई। तभी एक बालक उस कमरे में प्रवेश किया और उसने देखा तीन दीपक नहीं जल रहे है।

उसने पुछा कि – “तुम तीनों क्यों नहीं जल रहे हो जबकि तुम्हें तो आखिरी क्षण तक जलकर प्रकाश देना चाहिए।” इतना कहकर वह बालक रोने लगा।

चौथा दीपक जो अभी तक जल रहा था उसने बालक का रोना देखकर कहा – “ मेरे जलते रहने पर तुम्हे रोने की कोई जरुरत नहीं है, क्योंकि मैं आशा का दीपक हूँ।” बालक की आँखों में चमक लौट आयी। उसने आशादीप से पुनः शेष तीनों दीपों को जला दिया।

सीख – ‘आशा’ वह दीपक है जिससे शान्ति, विश्वास और ज्ञान को पुनर्जीवित किया जा सकता है। हमारे जीवन में आशा की किरण बनी रहनी चाहिए। इसके बल पर हम सम्पूर्ण मानवता के लिए आशादीप बन सकते हैं। मानवता ही संसार की आधारशिला है।

विकास कुमार (शिक्षक)
म.वि. महिसरहो, महिषी
(सहरसा)

बूझो तो जानें

वह कौन सी चीज है जो बारिश के आते ही ऊपर चली जाती हैं?

उत्तर- छाता

एक ऐसे पक्षी का नाम बताइये जिसका मतलब अंग्रेजी में 'ज्यादा' होता है।

उत्तर- मोर

क्या आप जानते हैं?

Q, 01 : भारतीय ऋण गारंटी निगम की स्थापना कब की गई ?
Answer : 1971

Q, 02 : भारत का सबसे बड़ा म्यूजियम कौन सा हैं ?
Answer : इंडियन म्यूजियम (कोलकाता)

Q, 03 : बाबा साहेब अम्बेडकर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा कहाँ स्थित हैं ?
Answer : नागपुर

Q, 04 : किसे 'जेलीफिश' के नाम से जाना जाता हैं ?
Answer : ऑरीलिया

Q, 05 : बंधुआ मजदूर उन्मूलन आंदोलन किसने किया था ?
Answer : स्वामी अग्निवेश

Q, 06 : स्टैंड अप इंडिया को कब मंजूरी दी गयी ?
Answer : 6 जनवरी 2016

Q, 07 : किस आयुर्वेदाचार्य ने तक्षशिला विश्वविद्यालय में शिक्षा प्राप्त की थी
Answer : जीवक

Q, 08 : भूस्थिर उपग्रह की पृथ्वी से ऊँचाई कितनी है ?
Answer : 36,000 किलोमीटर

Q, 09 : कोशिका को सबसे पहले सूक्ष्मदर्शी द्वारा किसने देखा ?
Answer : रॉबर्ट हुक

Q, 10 : अन्तरराष्ट्रीय महिला दिवस कब मनाया जाता है ?
Answer : 8 मार्च

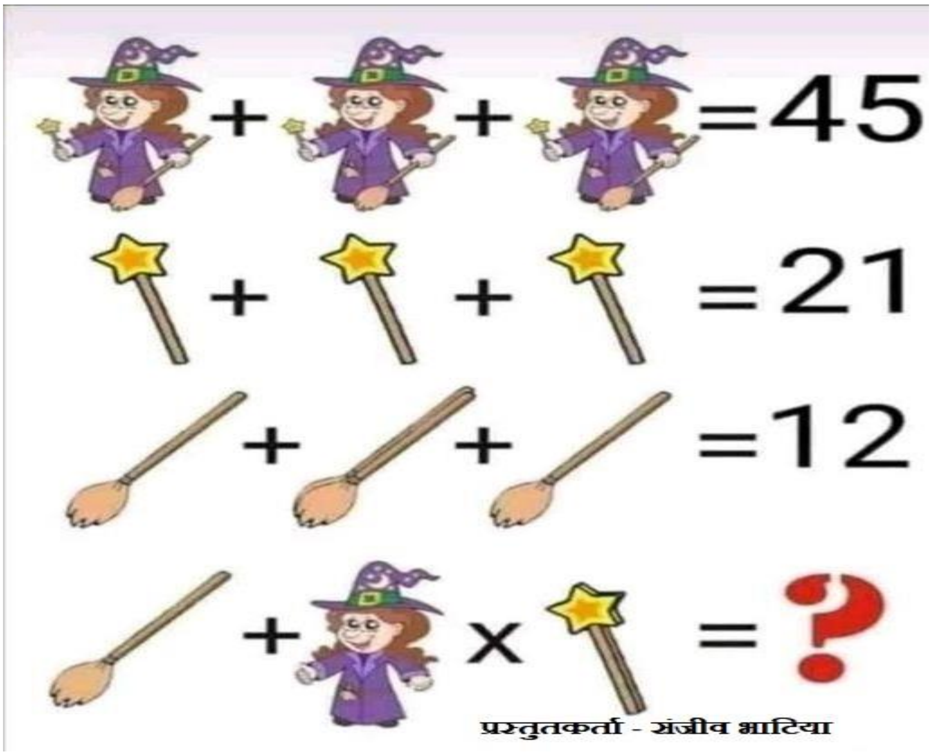

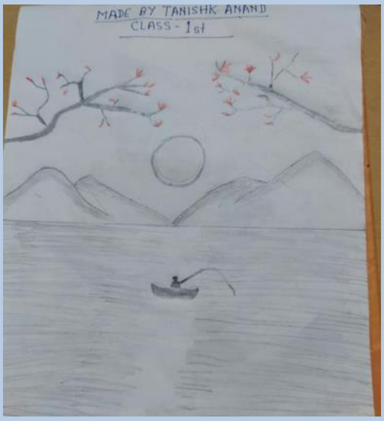

ART BY TANISHQ, CLASS- 1

ART BY NAVRAJ, STD- 8

ART BY SHREYAS JHA, CLASS- 1

रवीश

कहानी बनाओ प्रतियोगिता

दिए गए चित्र को देखें और उसपर एक सुन्दर सा कहानी लिख कर हमें भेजें| उत्कृष्ट कहानी को टीचर्स ऑफ़ बिहार के तरफ से पुरस्कृत किया जाएगा | कहानी के साथ अपना पूरा पता और फोन नम्बर अवश्य दें |

ताड़ के पत्ते से चूड़ी बनाते हुए वर्ग-7 की छात्रा पूजा कुमारी, म.वि.बौसी (बांका)

अंग्रेजी सीखें

16 Tenses

	Tenses	Structure	Example
01.	Simple Present Tense	Subject + Verb (vl) + es/es	She **reads** book in library.
02.	Present Continuous Tense	Subject + is/am/are + Verb(+ing)	I **am studying** in a high school.
03.	Present Perfect Tense	Subject + Has/have + Verb (v3)	He **has made** this colorful chart.
04.	Present Perfect Continuous Tense	Subject + Has/have + been + Verb(+ing)+ since/for	She **has been working** there **since** 2017.
05.	Simple Past Tense	Subject + Verb (v2) or irregular verb	He **completed** the assignment.
06.	Past Continuous Tense	Subject + was/were + Verb(+ing)	He **was reading** the book.
07.	Past Perfect Tense	Subject + had + Verb (v3)	I had **finished** my home work.
08.	Past Perfect Continuous Tense	Subject + had + been + Verb(+ing)	I **had been playing** football **since** morning.
09.	Simple Future Tense	Subject+ will/shall+ verb(v1)	I **shall go** to park for a walk.
10.	Future Continuous Tense	Subject + will/shall be + verb(+ing)	He **will be playing** football.
11.	Future Perfect Tense	Subject + will have + verb(v3)	He **will have played** football.
12.	Future Perfect Continuous Tense	Subject + will have been + verb(+ing)	He **will have been watching** the TV for fifty minutes.
13.	Past Future Tense	Subject + would + verb (v1)	I told that I **would leave** in one hour.
14.	Past Future Continuous Tense	Subj + should/would be + Verb(+ing)	I told that I **would be doing** my work all the day long.
15.	Past Future Perfect Tense	Subj.+ should / would have + Verb(v3)	She said that she **would have done** her work.
16.	Past Future Perfect Continuous Tense	Subject + would have been + Verb(+ing)	He said that I **should have been working** here **for** two hours by that time.

भाई का प्यार

एक जंगल में झोपड़ी बनाकर मदन नाम का एक लड़का अपने छोटे भाई के साथ रहता था। उसके छोटे भाई का नाम गौतम था। दोनों रोज ही शिकार किया करते थे। एक दिन जंगल में शिकार करते हुए दोनों ने एक खरगोश को देखा। उन्होंने जाल फेंक कर खरगोश को पकड़ लिया। तभी वहां खरगोश का मित्र दूसरा खरगोश पहुंचा। उसने कहा -"मेरे दोस्त को छोड़ दो"। इन दोनों ने कहा कि तुम भी पकड़े जाओगे तो खरगोश ने कहा कि पहले मेरे मित्र को तो छोड़ो, मैं ख़ुद ही तुम्हारे पास आ जाऊंगा। दोनों भाई ने पहले खरगोश को जैसे ही छोड़ा कि दूसरा खरगोश पहले को लेकर तेजी से भाग खड़ा हुआ।

दोनों थक गए थे गौतम को प्यास लगी। मदन ने कहा-" चलो पहले कहीं पानी पी लेते हैं, तब फिर शिकार करेंगे"।दोनों ने पहाड़ के पास जा कर झरने का पानी पीया। झरने के पास दो खरगोश भी पानी पी रहे थे। उन्होंने झट से दोनों खरगोश को पकड़ लिया और उसे पकाकर खाने के लिए बैठे। दोनों काफी भूखे थे। इस वजह से लड़ने लगे कि पहले मैं खा लूंगा दूसरा कहने लगा पहले मैं खा लूंगा। खाने की लड़ाई के लिए दोनों अलग अलग हो गए। दोनों अब अकेले रहने लगे। अकेले-अकेले शिकार करने लगे। लेकिन अब वह बात नहीं रही। दोनों कभी शिकार कर पाते और कभी नहीं भी कर पाते। कभी भूखे भी सोना पड़ता था। तब गौतम को एहसास हुआ कि दोनों साथ मिलकर रहते थे तो अच्छे से शिकार कर खाना खाते थे और अकेले हैं तो कुछ नहीं कर पा रहे हैं।

तब वह बड़े भाई मदन के पास गया और माफी मांगी और दोनों भाई फिर से साथ रहने लगे।

नैतिक शिक्षा

इस कहानी से सीख मिलती है कि हमें हमेशा अपने भाई का साथ देना चाहिए।

बाल लेखक- चंदन कुमार, वर्ग-7
उत्क्रमित मध्य विद्यालय सरौनी, बौसी (बांका)

TANNU PRIYA

अनुराग

Deepa Kumari, Class - 8

UMS Golhatti, Bounsi, Banka

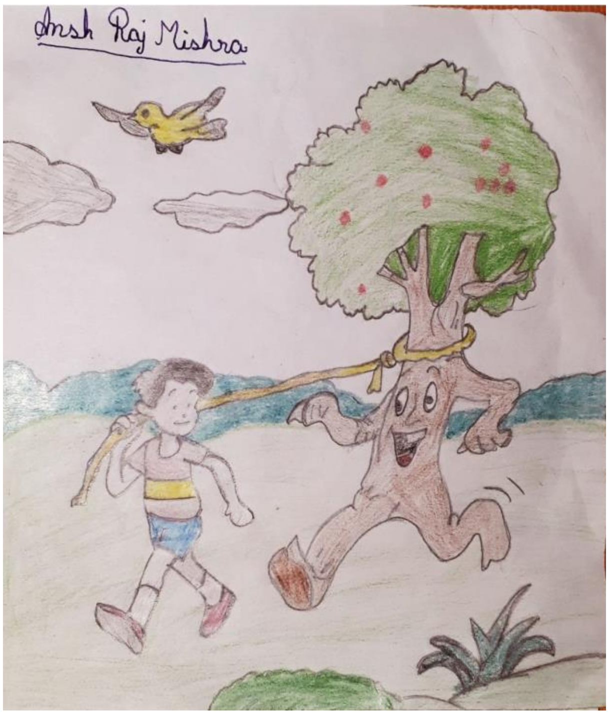

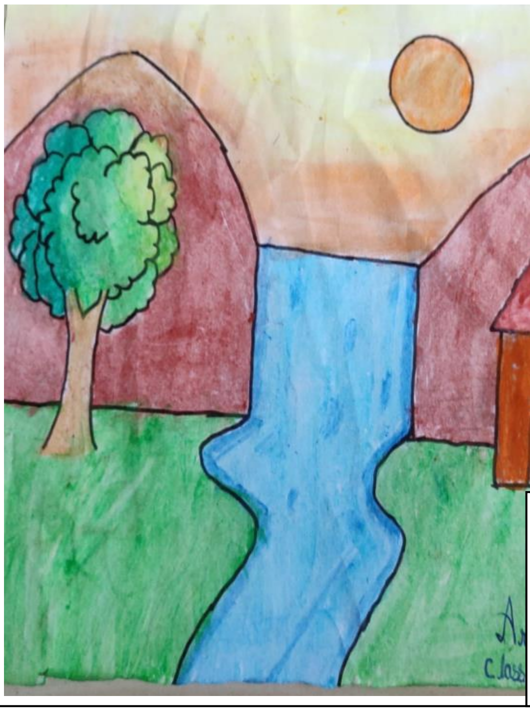

DIVYA

प्रेयश मिश्रा

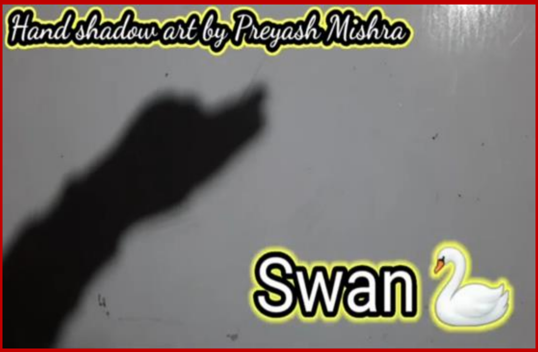

तार के पत्ते से बनाया गया पक्षी

PUTUL KUMARI

TEACHERS OF BIHAR

The change makers....

वैज्ञानिक कारण

मिट्टी के बर्तन में पानी ठंढा रहता है क्यों?

पानी का ठंडा होना वाष्पीकरण की क्रिया पर निर्भर करता है | जितना ज यादा वाष्पीकरण होगा पानी उतना ही ज्यादा ठंडा होगा| मिट्टी के बर्तन में धातु के बर्तन की अपेक्षा वाष्पीकरण की क्रिया इसलिए हो पाती है क योकि मिट्टी के बर्तन में छोटे-छोटे छिद्र होते हैं जिन्हें हम नंगी आखों से नहीं देख पाते हैं | घडे का पानी इन्हीं छिद्रों से होकर घडे की सतह तक आता है और वाहर की गर्मी से भाप बनकर उड जाता है| इस प्रक्रिया में घडे के अंदर का तापमान कम हो जाता है | वाष्पीकरण की यह क्रिया सिर्फ गर्मी के मौसम अच्छे प्रकार से हो पाती है यही कारण है कि गर्मी के मौसम में धातु के बर्तनों की अपेक्षा मिट्टी के बर्तनों में पानी ठंडा रहता है|

-: प्रस्तुतकर्ता :-

त्रिपुरारि राय
मध्य विद्यालय रौटी, महिषी (सहरसा)

विश्व वन्यजीव दिवस पर वर्ग आठ की छात्रा निशा कुमारी , पायल कुमारी , कोमल कुमारी तथा असिन गुंजन द्वारा बनाई गई रंगोली । मध्य विद्यालय जगदीशपुर जगदीशपुर भागलपुर

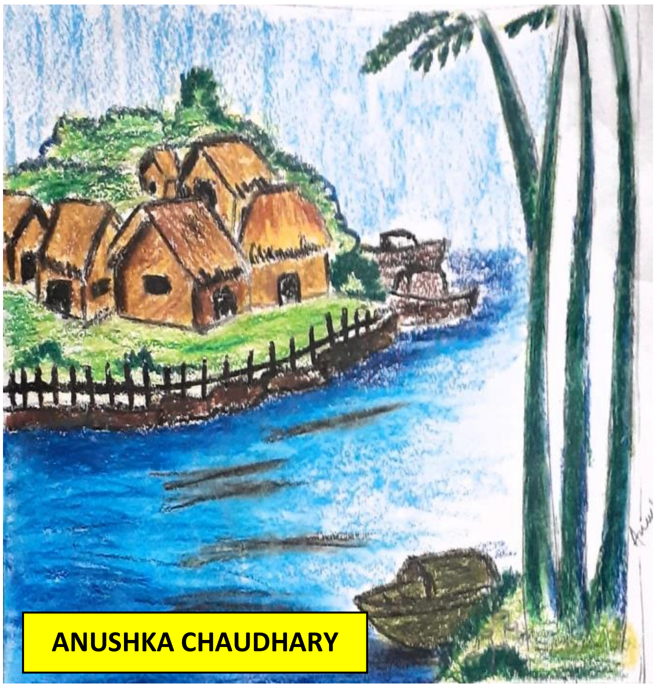

ANUSHKA CHAUDHARY

कोमल कुमारी, वर्ग -6 ,
मध्य विद्यालय शकहरा टोला, बरियारपुर, मुंगेर

Anshika Akriti, class 5

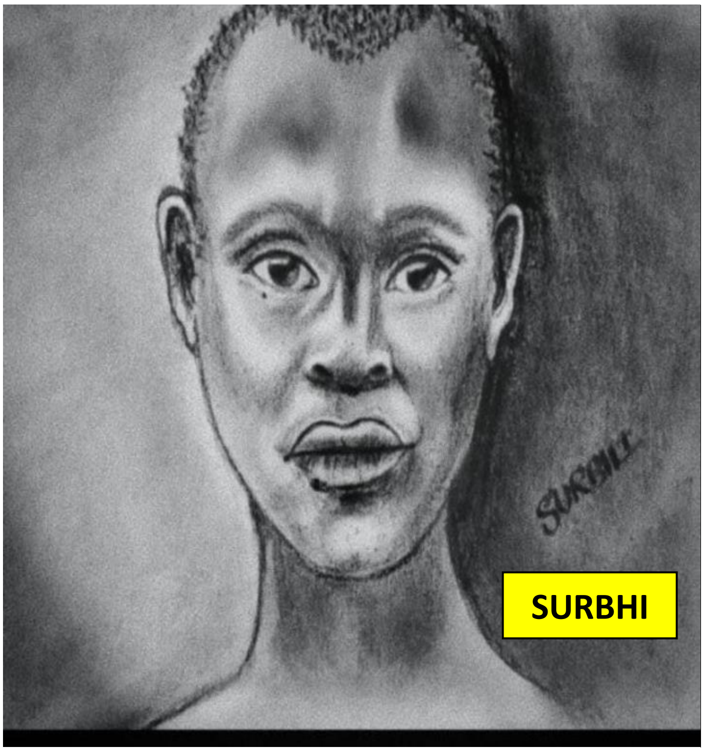

SURBHI

ANUPRIYA

फोटो ऑफ़ द मंथ

अतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर अनुष्का द्वारा विभिन्न अनाजों से बनाई गई कला

PRANSHA

SAMIKSHA ROY

उत्क्रमित मध्य विद्यालय सरौनी की शिक्षिका हुईं सम्मानित

प्रतिनिधि,बाँसी

प्रखंड क्षेत्र के उत्क्रमित मध्य विद्यालय सरौनी की शिक्षिका रूबी कुमारी ने सोमवार को प्रखंड के साथ-साथ जिला का भी मान बढ़ाया है. बिहार दिवस के मौके पर पटना में शिक्षा विभाग के अवर मुख्य सचिव संजय कुमार के द्वारा सम्मानित किया गया. शिक्षिका ने बताया कि पटना के ज्ञान भवन में कार्यक्रम आयोजित कर उन्हें सम्मानित किया गया. किसी ने सच ही कहा है अगर आप में काबिलियत है तो आप कुछ भी कर सकते हैं. गणित जैसे विषय को खेल-खेल में बच्चों को के लिए सुलभ बना देने वाली शिक्षिका ने शिक्षा के क्षेत्र में नयी क्रांति ला दी है. नवाचार पद्धति से बच्चों को शिक्षित करने का कार्य कर रही है. शिक्षिका को कार्यक्रम के मौके पर शिक्षा विभाग के प्रधान सचिव ने मौके पर मौजूद स्कूली बच्चों को 9 का पहाड़ा हाथ की उंगलियों से सीखाने को कहा. जिस पर शिक्षिका ने बच्चों को इसका डेमो भी दिखाया. मंचासीन अतिथियों द्वारा शिक्षकों की काफी सराहना की गयी. शिक्षिका के सम्मान पर मायके के रहने

अवर मुख्य सचिव से पुरस्कार पाती शिक्षिका.

वाले लोगों के साथ-साथ शिक्षक शिवेंद्र कृष्ण पांडे, उत्तम झा, दिलीप मिश्रा, मनोज मंडल, चंद्रशेखर आजाद, अशोक पौद्दार, राखी कुमारी सहित अन्य शिक्षकों ने भी हर्ष व्यक्त किया है.

कैसे मिली पहचान

क्षेत्र के गोलहट्टी गांव की रहने वाली शिक्षिका रूबी का मायका मिश्राचक में है. उन्होंने बताया कि बच्चों को बेहतर शिक्षा देने के लिए डीएलएड का प्रशिक्षण भी प्राप्त किया. वे विद्यालय में अंग्रेजी विषय की शिक्षिका है. विद्यालय में कुछ विषयों के शिक्षक नहीं रहने के कारण रूबी खुद ही अंग्रेजी के साथ-साथ गणित और संस्कृत पढ़ाती हैं. इस विद्यालय में वर्ग प्रथम से अष्टम वर्ग तक के छात्र-छात्राएं पढ़ते हैं. शिक्षिका ने वैदिक पद्धति अपनाकर गणित को अद्भुत और सरल तरीके से पढ़ाने की कला विकसित की है. बच्चों को पढ़ाने के लिए नये नये इनोवेटिव आइडियाज तैयार करती हैं. इस टीचर ने उंगलियों से गुणा करने की एक ट्रिक बच्चों को बतायी, जिसका वीडियो भी खूब वायरल हुआ था. वैदिक पद्धति से पढ़ाने की इस कला के फिल्मस्टार शाहरुख खान से लेकर उद्योगपति आनंद महिंद्रा भी कायल हो गये हैं.

2014 से ही शिक्षा में नवाचार का कर रही है प्रयोग : शिक्षिका ने बताया कि 2014 में बतौर शिक्षिका ज्वाइन करने के बाद बच्चों को खेल-खेल में गणित व अन्य विषयों की शिक्षा देनी आरंभ की थी. हालांकि 2020 में टीचर ऑफ बिहार गूगल के प्लेटफार्म पर जब अपने पढ़ाये वीडियो डालना आरंभ किया. तब लोगों का ध्यान उसकी शिक्षा देने के तरीके की ओर आया था. इतना ही नहीं शिक्षिका के द्वारा मैजिक ट्रिक्स बाय रूबी कुमारी के नाम से यूट्यूब पर एक चैनल बनाया गया है. जिस पर अपने पढ़ाने के तरीके प्रतिदिन अपलोड करती है. जिससे बच्चे खेल-खेल में अच्छी शिक्षा पा रहे हैं. लॉकडाउन में स्कूल बंद थे. ऐसे में रूबी अपने घर से ही बच्चों को ऑनलाइन पढ़ा रही थी. बता दें कि 13 अप्रैल 2020 से टीचर्स ऑफ बिहार के स्कूल ऑन मोबाइल फेसबुक लाइव के माध्यम से भी पढ़ाने का कार्य किया. रूबी ने इच्छा जाहिर की है कि इस पद्धति को देश भर के स्कूलों में लागू किया जाये, ताकि बच्चे नवाचार की पद्धति के माध्यम से सरल तरीके से पढ़ाई कर सके.

प्रभात खबर Tue, 23 March 2021
https://epaper.prabhatkhabar.com/c/59280989

गौरैया की रक्षा का लिया संकल्प

जगदीशपुर. मध्य विद्यालय जगदीशपुर में शनिवार को विश्व गौरैया दिवस पर स्कूल की छात्रा राजनंदिनी, वर्षा रानी, अंजलि तथा श्रेया ने गौरैया की रंगोली बनायी. बच्चों ने गौरैया की रक्षा का संकल्प लिया. प्रधानाध्यापक आशुतोष चंद्र मिश्र ने कहा

कि गौरैया बिहार की राजकीय पक्षी है. यह भी धीरे-धीरे हमारे बीच से लुप्त होती जा रही है. पहले यह घरेलू पक्षी के रूप हमारे साथ रहती थी. हम अपने घरों में इसकी रक्षा के लिए इसके लिए आश्रय का निर्माण करें और दाना-पानी अवश्य दें. इस अवसर पर वासुदेव, राजीव और स्कूल के बच्चे मौजूद थे.

वर्चुअल और टेक्निकल समन्वय टीचर्स ऑफ बिहार की कर रही है टीम : रंजेश सिंह

अररिया, सोनभद्र संवाददाता। टीचर्स ऑफ बिहार ने रचा इतिहास। बिहार दिवस के शुभ अवसर पर पहली बार बिहार के पचास सरकारी प्रारंभिक विद्यालयों में स्मार्ट क्लासरूम का ऑनलाइन शुभारंभ।डिजिटल शिक्षा की ओर बिहार बढ़ रहा है। इसे ऐतिहासिक बनाते हुए बिहार दिवस के अवसर पर जिला पश्चिमी चंपारण के बगहा-दो प्रखंड के पचास से भी अधिक सरकारी प्रारंभिक विद्यालयों में स्मार्ट क्लासरूम का ऑनलाइन शुभारंभ किया गया।इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रुप में शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव, श्री संजय कुमार एवं बिहार शिक्षा परियोजना परिषद के राज्य परियोजना निदेशक,संजय कुमार सिंह जूम ऐप के माध्यम से किया गया।। कार्यक्रम का एक्सक्लूसिव सीधा प्रसारण टीचर्स ऑफ बिहार के फेसबुक पेज से संचालित किया ।टीचर्स ऑफ बिहार के प्रवक्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि यह हम सबके लिए गर्व की बात है कि इस कार्यक्रम का वर्चुअल और टेक्निकल समन्वय टीचर्स ऑफ बिहार की टीम कर रही है ।हमारे विद्यालय बदल रहें हैं, हमारा बिहार बदल रहा है।

टीओबि ने पहली बार बिहार के पचास सरकारी प्रारंभिक विद्यालयों में स्मार्ट क्लासरूम का ऑनलाइन किया शुभारंभ

दस्तक प्रभात प्रतिनिधि

अररिया। टीचर्स ऑफ बिहार ने रचा इतिहास। बिहार दिवस के शुभ अवसर पर पहली बार बिहार के पचास सरकारी प्रारंभिक विद्यालयों में स्मार्ट क्लासरूम का ऑनलाइन शुभारंभ। डिजिटल शिक्षा की ओर बिहार बढ़ रहा है। इसे ऐतिहासिक बनाते हुए बिहार दिवस के अवसर पर जिला पश्चिमी चंपारण के बगहा–दो प्रखंड के पचास से भी अधिक सरकारी प्रारंभिक विद्यालयों में स्मार्ट क्लासरूम का ऑनलाइन शुभारंभ किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रुप में शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव, श्री संजय कुमार एवं बिहार शिक्षा परियोजना परिषद के राज्य परियोजना निदेशक,संजय कुमार सिंह जूम ऐप के माध्यम से किया गया।। कार्यक्रम का एक्सक्लूसिव सीधा प्रसारण टीचर्स ऑफ बिहार के फेसबुक पेज से संचालित किया। टीचर्स ऑफ बिहार के प्रवक्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि यह हम सबके लिए गर्व की बात है कि इस कार्यक्रम का वर्चुअल और टेक्निकल समन्वय टीचर्स ऑफ बिहार की टीम कर रही है।

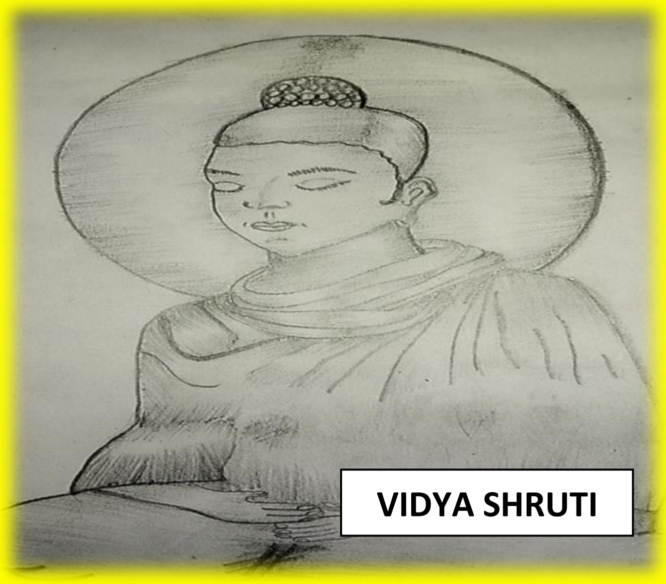

VIDYA SHRUTI

हंसो रे बाबू

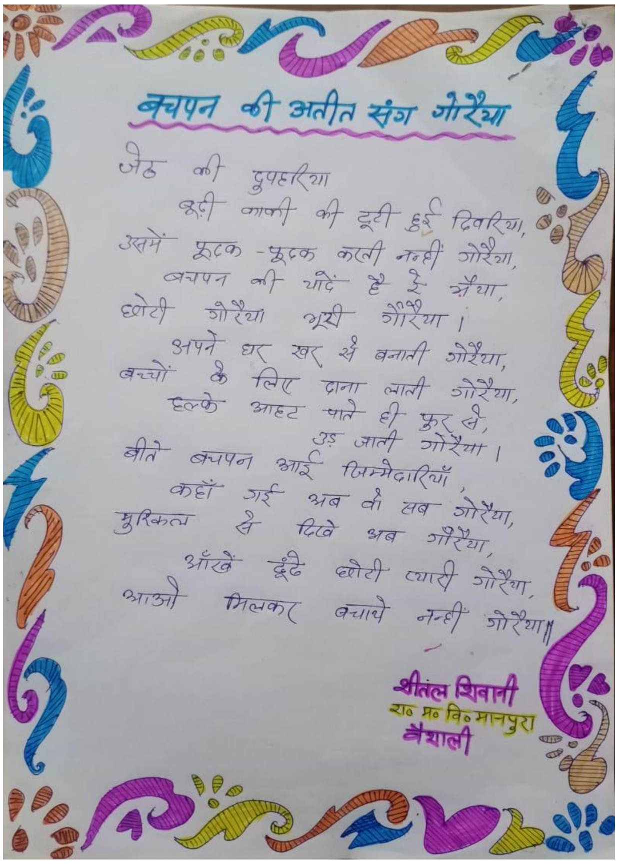

बचपन की अतीत संग गौरैया

जेठ की दुपहरिया
बूढ़ी काकी की टूटी हुई दिवरिया,
उसमें फुदक-फुदक करती नन्हीं गौरैया,
बचपन की यादें है रे सैंया,
छोटी गौरैया भूरी गौरैया।
अपने घर खर से बनाती गौरैया,
बच्चों के लिए दाना लाती गौरैया,
हल्के आहट पाते ही फुर से,
उड़ जाती गौरैया।
बीते बचपन आई जिम्मेदारियाँ,
कहाँ गई अब वो सब गौरैया,
मुश्किल से दिखे अब गौरैया,
आँखें ढूंढे छोटी प्यारी गौरैया,
आओ मिलकर बचाये नन्हीं गौरैया॥

शीतल शिवानी
रा० म० वि० मानपुरा
वैशाली

बिहार दिवस पर विद्यालय में बच्चों ने रंगोली बनाए

प्रमुख दिवसें

क्रमांक	मार्च के महत्वपूर्ण दिवस	दिनांक
1.	विश्व वन्यजीव दिवस	3 मार्च
2.	राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस	4 मार्च
3.	अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस	8 मार्च
4.	विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस	15 मार्च
5.	विश्व टीकाकरण दिवस	16 मार्च
6.	विश्व खुशहाली दिवस	20 मार्च
7.	विश्व गौरैया दिवस	20 मार्च
8.	विश्व वानिकी दिवस	21 मार्च
9.	विश्व विकलांग दिवस	21 मार्च
10.	विश्व रंगभेद उन्मूलन दिवस	21 मार्च
11.	विश्व जल संरक्षण दिवस	22 मार्च
12.	भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु शहीद दिवस	23 मार्च
13.	विश्व मौसम विज्ञान दिवस	23 मार्च
14.	राममनोहर लोहिया जयंती	23 मार्च
15.	विश्व टी. बी. दिवस	24 मार्च

रोचक तथ्य

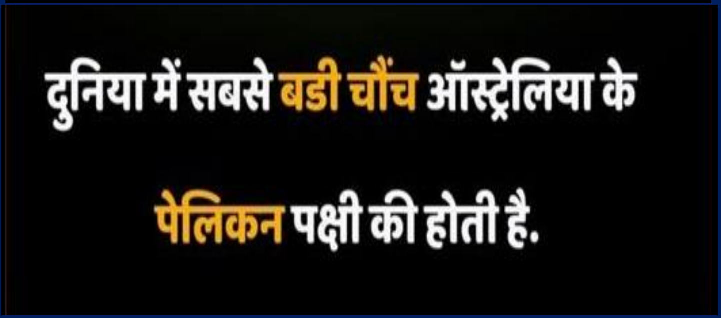

हिंदी ज्ञान

हिंदी व्याकरण के तीन खंड होते हैं: वर्ण, शब्द एवं वाक्य विचार। शब्द विचार हिन्दी व्याकरण का दूसरा भाग है। इसके अंतर्गत ध्वनियों के मेल से बने सार्थक वर्ण समूह जैसे-भेद-उपभेद, संधि-विच्छेद आदि को पढ़ा जाता है।

शब्द किसे कहते हैं? एक से अधिक ध्वनियों (वर्णों) के मेल से बने सार्थक ध्वनि-समूह (वर्ण समुदाय) को शब्द कहते हैं| जैसे-फूल, लड़का आदि

शब्दों का वर्गीकरण :- शब्दों के चार भेद होते हैं- 1. प्रयोग के आधार पर 2. बनावट या रचना के आधार पर 3. अर्थ के आधार पर 4. उत्पत्ति एवं श्रोत के आधार पर

प्रयोग के आधार पर शब्दों का वर्गीकरण

प्रयोग के आधार पर शब्दों के दो भेद होते हैं- 1. विकारी शब्द 2. अविकारी शब्द

विकारी शब्द – वाक्यों में प्रयोग में प्रयोग करते समय लिंग, कारक और वचन आदि के अनुसार जिन शब्दों के रूप में परिवर्तन हो जाता है, उन्हें विकारी शब्द कहते हैं। जैसे-

लिंग:	लड़का खेलता है। = लड़की खेलती है।
कारक:	लड़का खेलता है। = लडके को खेलने दो।
वचन:	लड़का खेलता है। = लडके खेलते हैं।

विकारी शब्द चार प्रकार के होते हैं:- संज्ञा (noun), सर्वनाम (pronoun), विशेषण (adjective), क्रिया (verb)

2. अविकारी शब्द – जिन शब्दों के रूप में कभी परिवर्तन नहीं होता है, उन्हें अविकारी शब्द कहते हैं। सभी क्रिया विशेषण, सबंधबोधक, समुच्चयबोधक, तथा विस्मायदिबोधक अव्वय शब्द अविकारी शब्द कहलाते हैं। उदाहरण-तथा, किन्तु, परन्तु, अधिक तेज़, आदि।

...............शेष अगले अंक में

आपकी बात आपकी जुबानी

बच्चों आपको बालमंच का ये अंक कैसा लगा हमें अवश्य बताएँ| आप हमें नीचे दिए गए किसी भी माध्यम email या whatsapp द्वारा सूचित कर सकते हैं|

email- balmanch.teachersofbihar@gmail.com

Whatsapp No. :- 6202839650

(Tripurari Roy)

धन्यवाद

फरवरी 2021
प्रमाण पत्र संख्या ToB/Bal/2021/02
ToB उभरते सितारे
बालमंच
नन्हीं कलम से ....
प्रशस्ति पत्र
दीपा कुमारी
वर्ग-8, उत्क्रमित मध्य विद्यालय गोलहट्टी,बौंसी, बांका
को टीचर्स ऑफ बिहार के 'बालमंच- नन्हीं कलम से' ऑनलाइन ई-मैग्जीन में उनके सहयोग, समर्पण एवं सीमित संसाधनों का उचित उपयोग के लिए 'ToB उभरते सितारे' के रूप में चयनित किया जाता है भविष्य के लिए असीम शुभकामनायें।
रूबी कुमारी, संपादिका,बालमंच
त्रिपुरारि राय, क्रिएटिव डिजाइनर, बालमंच
शिव कुमार, संस्थापक
www.teachersofbihar.org

उभरते सितारे

उभरते सितारे के स्तम्भ में हम वैसे बाल कलाकार को प्रशस्ति पत्र देते हैं जिनकी चित्र या कला पिछले अंक में सर्वश्रेष्ठ रहा है | धन्यवाद |

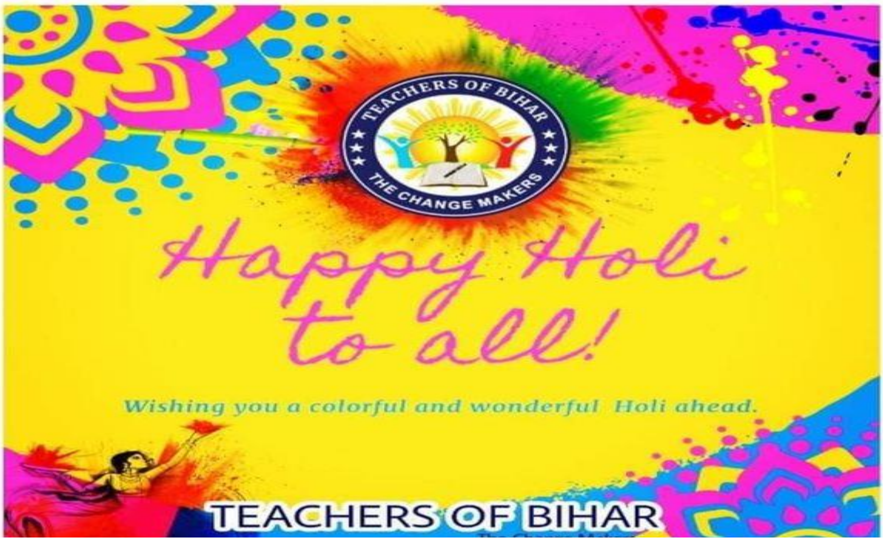

समाप्त